वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 275 शनिवार 28 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

उद्यमी निवेश कर राज्य के विकास में बनें सक्रिय भागीदार: भजनलाल

राजस्थान निवेश के लिए पूरी तरह तैयार, स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत कर रही हमारी सरकार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान प्रौद्योगिकी, डिजिटल गवर्नेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम के क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्यों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान आज निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। सरकार द्वारा नीतियों और प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, जिससे निवेशक आसानी से अपना उद्यम यहां स्थापित कर सके। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे राजस्थान में निवेश कर राज्य के विकास में सक्रिय भागीदार बने तथा आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत के विजन को साकार करें।

उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रदेश बढ़ रहा तेजी से आगे, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत नवाचार में छू रहा नई ऊंचाईयां

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को जयपुर के निजी होटल में आयोजित राजस्थान सी-साइड स्टार्टअप समिट-2026 को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान आज सीमाओं से परे भी नवाचार और साझेदारी में आगे बढ़ रहा है। आर्मेनिया गणराज्य तथा सूचना प्रौद्योगिकी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित यह समिट इस पहल का सुखद परिणाम है। इस समिट के माध्यम से नवप्रवर्तक, निवेशक, नीति-निर्माता और उद्यमी जुड़कर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे और सीमाओं से परे परस्पर सहयोग का निर्माण करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज इनोवेशन तथा उद्यमशीलता के क्षेत्र में नई ऊंचाईयां छू रहा है। उनका मानना है भारत के लिए नवाचार करें और भारत से नवाचार करें। हमारी सरकार प्रधानमंत्री के इसी सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर 35 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित किए थे, जिसमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर कार्य प्रारंभ भी हो चुका है।

स्कूल-कॉलेज स्तर पर 65 लॉन्चपैड विकसित

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं की तरफ आशा से देख रही है। हमारी सरकार भी युवाओं के सशक्तीकरण के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। हमने राजस्थान युवा नीति और रोजगार नीति लागू की है। साथ ही, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की भी शुरूआत की गई है। जिससे युवा रोजगार प्रदाता भी बन सके। इस योजना के तहत राज्य के 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं को ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान करके उद्यमिता की ओर प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए 33 जिलों में स्कूल और कॉलेज स्तर पर 65 लॉन्चपैड विकसित किए गए हैं। इस अवसर आर्मेनिया गणराज्य के राजदूत वहागन आफ्यान ने कहा कि भारत और आर्मेनिया के बीच तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस समिट के माध्यम से विचार एवं पूंजी, तकनीक एवं मार्केट तथा दो देशों के लोगों को एक साथ आने का अवसर मिलेगा। जिससे तकनीक आधारित नीतियों के निर्माण में सहायता मिलेगी। उन्होंने राजस्थान के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार की सक्रिय पहल के कारण प्रदेश में स्टार्टअप्स और तकनीकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है।

आई-स्टार्ट से प्रदेश में 3 हजार 450 से अधिक स्टार्टअप्स पंजीकृत

शर्मा ने कहा कि राजस्थान एआई, डीपटेक और उभरती प्रौद्योगिकियों से लेकर मशीन लर्निंग, डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार द्वारा पिछले दो सालों में आई-स्टार्ट के माध्यम से प्रदेश में 3 हजार 450 से अधिक स्टार्टअप्स पंजीकृत हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि एनिमेशन, गेमिंग, एक्सटेंडेड रियलिटी और कॉमिक्स जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अटल इनोवेशन स्टूडियो से स्मार्ट गवर्नेंस तथा बेहतर सेवा वितरण को प्रोत्साहन मिला है। वहीं, स्टार्टअप हब्स को टिंकरिंग लैब, डीप-टेक लैब्स, डेटा एवं एआई लैब्स से लैस करने के लिए बजट 2026-27 में बजट आवंटित किया गया है।

राज्य सरकार डिजिटल आधारित नवाचारों को प्रोत्साहित करने के लिए निरन्तर प्रयासरत: समिट में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार डिजिटल आधारित नवाचारों तथा स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए निरन्तर प्रयासरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दी गई न्यूनतम सरकार-अधिकतम शासन की अवधारणा को साकार करने में तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए डिजीफेस्ट का आयोजन किया था, जिससे प्रदेश में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को बढ़ावा मिले तथा नवाचार उद्यमिता को नई दिशा मिल सके। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आर्मेनिया एवं राजस्थान के विभिन्न स्टार्टअप फाउण्डर्स से संवाद भी किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रशासनिक सुधार दिनेश कुमार, आयुक्त सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग हिमांशु गुप्ता सहित निवेशक, उद्यमी, विभिन्न स्टार्टअप्स के संस्थापक उपस्थित रहे।

दूसरों पर लांछन लगाना सबसे सरल कार्य, चरित्र की रक्षा स्वयं की जिम्मेदारीः आचार्य प्रसन्न सागर

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ की 'अहिंसा संस्कार पदयात्रा' इन दिनों राजस्थान की पावन धरा पर बढ़ रही है। इसी श्रृंखला में गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने वर्तमान समाज की विकृतियों और चरित्र हनन की प्रवृत्ति पर तीखा प्रहार किया।

शख्सियत और किरदार पर गंभीर चिंतन

आचार्य श्री ने मर्मस्पर्शी शब्दों में कहा, ''निकले हैं वह लोग मेरी शख्सियत बिगाड़ने, जिनके खुद के किरदार मरम्मत मांग रहे हैं।'' उन्होंने चिंता व्यक्त की कि आज किसी की आलोचना करना या चरित्र पर लांछन लगाना एक व्यापार बन गया है। जब किसी निर्दोष को झूठा बदनाम किया जाता है, तो सत्य को सिद्ध करना अत्यंत कठिन हो जाता है, क्योंकि न्याय की प्रक्रिया स्वयं जटिलताओं में उलझी रहती है।

ऐतिहासिक उदाहरण और धैर्य का संदेश

आचार्य श्री ने माता सीता और भरत जी का उदाहरण देते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि महान विभूतियों पर भी लांछन लगे। सीता जी को शील की परीक्षा देनी पड़ी और भरत जी पर सत्ता के षड्यंत्र का कलंक लगा, किंतु दोनों ने बिना सफाई दिए धैर्यपूर्वक अपने चरित्र की निर्मलता को सिद्ध किया। उन्होंने आगाह किया कि आज के कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सोशल मीडिया के दौर में किसी की छवि बिगाड़ना आसान हो गया है। लोग अच्छी बातों के बजाय विवादित और भ्रामक सामग्री में अधिक रुचि ले रहे हैं।

संयम का महत्वः सफल जीवन की कुंजी

मनुष्य के जीवन में अनेक गुणों का विशेष महत्व है, परंतु संयम उन सभी में सर्वोपरि माना गया है। संयम का अर्थ है—अपने विचारों, वाणी, भावनाओं और कर्मों पर नियंत्रण रखना। यह केवल बाहरी आचरण नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन की अवस्था है। जिस व्यक्ति के जीवन में संयम होता है, वह विपरीत परिस्थितियों में भी शांत और स्थिर बना रहता है। संयम व्यक्ति को सही और गलत के बीच अंतर करने की शक्ति देता है।

क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकार मनुष्य को पथभ्रष्ट कर सकते हैं, परंतु संयम इन पर अंकुश लगाने का माध्यम है। जो व्यक्ति अपनी इच्छाओं और भावनाओं को नियंत्रित कर लेता है, वही जीवन में सच्ची सफलता प्राप्त करता है। सफलता केवल धन या पद प्राप्त करने का नाम नहीं है, बल्कि आत्मसंतोष, सम्मान और संतुलित जीवन भी सफलता के महत्वपूर्ण अंग हैं। संयमित व्यक्ति अपने लक्ष्यों की ओर धैर्यपूर्वक अग्रसर होता है। वह कठिनाइयों से घबराता नहीं, बल्कि धैर्य और विवेक से उनका समाधान ढूंढता है। यही गुण उसे दूसरों से अलग और विशिष्ट बनाते हैं। वाणी में संयम रखने वाला व्यक्ति समाज में आदर प्राप्त करता है। एक कटु शब्द संबंधों को तोड़ सकता है, जबकि मधुर और संयमित वाणी रिश्तों को सुदृढ़ बनाती है। इसी प्रकार, भोजन, समय और संसाधनों में संयम रखने से स्वास्थ्य और संतुलन बना रहता है। आज के भौतिकवादी युग में, जहाँ आकर्षण और प्रलोभन हर कदम पर उपस्थित हैं, संयम की आवश्यकता और भी अधिक बढ़ गई है। संयम आध्यात्मिक उन्नति का भी आधार है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जिसने अपनी इंद्रियों पर विजय पा ली, उसने स्वयं पर विजय प्राप्त कर ली। आत्मविजय ही सच्ची विजय है। अंततः, यह कहा जा सकता है कि संयम केवल एक गुण नहीं, बल्कि सफल और सुखी जीवन की कुंजी है। यदि हम अपने जीवन में संयम को अपनाएँ, तो न केवल व्यक्तिगत प्रगति संभव है, बल्कि परिवार और समाज में भी शांति और समृद्धि स्थापित हो सकती है। अनिल माथुरः ज्वाला-विहार, जोधपुर।

जनसहयोग से बदली शिक्षा की तस्वीर

पीएम श्री स्कूल रावतसर में भामाशाहों ने रचा विकास का स्वर्णिम इतिहास

रावतसर. नरेश सिंगची

जब समाज और विद्यालय एक साथ कदम बढ़ाते हैं, तो शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहती, बल्कि विकास और संस्कारों की प्रेरक गाथा बन जाती है। हनुमानगढ़ जिले का पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रावतसर इसका जीवंत उदाहरण है। यहाँ जनप्रतिनिधियों, भामाशाहों, पूर्व विद्यार्थियों और प्रशासन के साझा संकल्प से विद्यालय का कायाकल्प हो रहा है, जो क्षेत्र के लिए एक मिसाल बन चुका है।

पूर्व विद्यार्थियों और भामाशाहों का भावनात्मक जुड़ाव

विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने अपनी जड़ों को सींचते हुए लगभग 1.5 लाख रुपए मूल्य के संसाधन (कुर्सियाँ, अलमारियाँ, पंखे) भेंट किए हैं। वहीं, भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण भानू सिंह सोलंकी और हेतराम ढालिया द्वारा करवाया गया। यह योगदान केवल भौतिक वस्तुएँ नहीं, बल्कि अपने विद्यालय के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है।

आधारभूत संरचना और विधायक मद से विकास

विधायक विनोद गोठवाल और नगरपालिका के विशेष सहयोग से विद्यालय परिसर को आधुनिक स्वरूप दिया गया है:

चारदीवारी निर्माण: 60 लाख रुपए की लागत से परिसर को सुरक्षित किया गया।

इंटरलोकिंग और शौचालय: 25 लाख रुपए के इंटरलोकिंग कार्य और 9 लाख रुपए की लागत से छात्र-छात्राओं के लिए पृथक शौचालय निर्मित हुए।

अन्य सहयोग: विधायक मद से 10 लाख रुपए और नगरपालिका से 6 लाख रुपए के अतिरिक्त विकास कार्य संपन्न हुए।

डिजिटल क्रांति और आधुनिक संसाधन

नई पीढ़ी को तकनीक से जोड़ने के लिए सुरेन्द्र सोमानी और प्रतीक पुनिया जैसे दानदाताओं ने कंप्यूटर सेट, लैपटॉप और फोटोकॉपी मशीनें उपलब्ध कराई हैं। इसके साथ ही व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार न्योल द्वारा 3 लाख रुपए की लागत से आधुनिक पुस्तकालय का निर्माण कराया गया है, जो विद्यार्थियों के लिए ज्ञान का केंद्र बनेगा।

खेल सुविधाओं का ऐतिहासिक विस्तार

खेलों को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय में अभूतपूर्व निवेश किया गया है:

इंडोर स्टेडियम: डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के तहत 70 लाख रुपए की लागत से बैडमिंटन कोर्ट, टेबल टेनिस कोर्ट और इंडोर स्टेडियम का निर्माण।

मैदान और मैट: विधायक मद से 3 लाख रुपए के कबड्डी मैट और 5 लाख रुपए की लागत से वॉलीबॉल मैदान तैयार किया गया।

मुख्यमंत्री जनसहभागिता योजना: 8 नवीन कक्षों का निर्माण

विद्यालय विकास में सबसे स्वर्णिम अध्याय मुख्यमंत्री जनसहभागिता भामाशाह सहयोग योजना के तहत जुड़ा है। इसके अंतर्गत 8 नए कक्षा कक्षों का निर्माण किया गया है, जिसमें प्रत्येक कक्ष के लिए 3 लाख रुपए का दान भामाशाहों द्वारा दिया गया। इसमें सोमानी परिवार, कर्वा परिवार, नांगल परिवार, थोरी परिवार सहित जाम्बेश्वर मंदिर समिति और कुम्हार समाज समिति का विशेष योगदान रहा।

मुनि श्री आदित्य सागर जी को इंदौर वर्षायोग हेतु श्रीफल भेंट

राजेश जैन 'दद्दू', इंदौर

श्रमण संस्कृति के महाश्रमण, पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के कुलदीपक शिष्य, श्रुतसंवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज, मुनि श्री अप्रमित सागर जी महाराज, मुनि श्री सहज सागर जी महाराज एवं छुल्लक श्री श्रेयस सागर जी ससंघ को आज बिहार के दौरान सेलाना के समीप मकरोनिया ग्राम में अंजनी नगर दिगंबर जैन समाज, इंदौर के अध्यक्ष श्री देवेंद्र सोगानी के नेतृत्व में श्रीफल भेंट किया गया। दिगंबर जैन समाज पश्चिम क्षेत्र, इंदौर के मुनिभक्तों – ऋषभ पाटनी, चिराग गोधा, प्रदीप बिलाला, निलेश मोदी, अक्षय काला, नितिन पाटौदी आदि ने इंदौर नगर में वर्ष 2026 का चातुर्मास करने की भावना व्यक्त करते हुए पूज्य मुनिश्री आदित्य सागर जी ससंघ से पश्चिम क्षेत्र, इंदौर में चातुर्मास करने का विनम्र निवेदन किया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि पूज्य गुरुदेव ने श्रीफल सहर्ष स्वीकार किया तथा गुरु आज्ञा प्राप्त होने के उपरांत इंदौर नगर में चातुर्मास करने का संकेत प्रदान किया। इस अवसर पर अंजनी नगर, छत्रपतिनगर, लीड्स, सुदामा नगर, राजेंद्र नगर, नरीमन सिटी, अंबिकापुरी आदि कॉलोनियों के समाजजन भी उपस्थित रहे। **नमोस्तु। शासन जयवंत हो।**

श्री आर्यन

पुत्र सुदेश-अलका गोदिका

को CS के जयपुर चैप्टर में 1st रैंक प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

समस्त परिवार जन एवं मित्र गण

विज्ञान दिवस

सपनों को हकीकत में बदलने की कुंजी है विज्ञान

योगेश कुमार गोयल

आधुनिक युग में मानव जीवन को सुगम और सुरक्षित बनाने में विज्ञान की भूमिका निर्विवाद है। किसी भी राष्ट्र की उन्नति इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी युवा पीढ़ी विज्ञान के प्रति कितनी जिज्ञासु और समर्पित है। इसी उद्देश्य के साथ भारत में प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को विज्ञान को करियर के रूप में चुनने और नवाचार के क्षेत्र में भारत का नाम वैश्विक पटल पर अंकित करने के लिए प्रोत्साहित करने का एक सशक्त माध्यम है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का इतिहास भारत के महान भौतिक शास्त्री सर सी.वी. रमन की क्रांतिकारी खोज 'रमन प्रभाव' से जुड़ा है। 28 फरवरी 1928 को उन्होंने इस सिद्धांत की खोज की थी, जिसने प्रकाश के प्रकीर्णन के क्षेत्र में विज्ञान जगत को नई दिशा दी। इस महान उपलब्धि के लिए उन्हें वर्ष 1930 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे यह गौरव हासिल करने वाले पहले भारतीय ही नहीं, बल्कि पहले एशियाई व्यक्ति भी थे। रमन जी का मानना था कि सुविधाओं के अभाव में प्रतिभा का दम तोड़ना राष्ट्र की बड़ी क्षति है, जिसे रोकना अनिवार्य है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक विशिष्ट विषय (थीम) के साथ मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है विज्ञान में महिलाएं: विकसित भारत को उत्प्रेरित करना। यह विषय विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और उनके नेतृत्व की महत्ता को रेखांकित करता है। यदि हम पिछले वर्षों की यात्रा देखें, तो वर्ष 2023 से 2025 तक के विषय क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विज्ञान व नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए युवाओं को सशक्त बनाना' रहे हैं। ये विषय स्पष्ट करते हैं कि भारत का लक्ष्य अब केवल विज्ञान का उपयोग करना नहीं, बल्कि विज्ञान के माध्यम से वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करना और आत्मनिर्भर बनना है। इस दिवस के आयोजन का मूल उद्देश्य हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान की महत्ता को जन-जन तक पहुंचाना है।

संपादकीय

प्रतिष्ठा की अंधी दौड़

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय समाज में एक नई और चिंताजनक प्रवृत्ति तेजी से पनपी है अपने बच्चों को किसी भी कीमत पर विदेश भेजने की होड़। चाहे पढ़ाई का बहाना हो या नौकरी का आकर्षण, आज सात समंदर पार जाना केवल करियर का निर्णय नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा का 'तमगा' बन गया है। सोशल मीडिया के इस दौर में कनाडा, ऑस्ट्रेलिया या यूरोप की चमकदार तस्वीरें सफलता की नई परिभाषा गढ़ रही हैं। धीरे-धीरे यह

भ्रामक धारणा जड़ पकड़ रही है कि यदि भविष्य संवारना है, तो भारत की सीमाओं को छोड़ना ही एकमात्र विकल्प है लेकिन यहां रुककर यह विचार करना अनिवार्य है कि क्या वास्तव में भारत में अवसरों का अकाल पड़ गया है? आज जब भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जहां तकनीक, स्टार्टअप, शोध और सेवा क्षेत्र में वैश्विक कंपनियां निवेश कर रही हैं, तब अपने ही देश की संभावनाओं को कमतर आंकना एक सामूहिक मानसिक पराजय का संकेत है। निस्संदेह, विदेशी शिक्षा की अपनी खूबियां हैं, और कई छात्र भारत में गलाकाट प्रतिस्पर्धा के कारण भी बाहर का रुख करते हैं। किंतु समस्या तब शुरू होती है जब इस विकल्प को 'सामाजिक गौरव' से जोड़ दिया जाता है। आज मध्यमवर्गीय माता-पिता रिश्तेदारों और समाज के बीच स्वयं को श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए एक अदृश्य दबाव महसूस कर रहे हैं। अपनी आर्थिक हैसियत से बाहर जाकर भारी-भरकम कर्ज और शिक्षा ऋण लेकर बच्चों को विदेश भेजना अब एक उपलब्धि माना जाने लगा है। इस प्रवृत्ति को हवा देने में सोशल मीडिया की भूमिका नकारात्मक रही है। इंटरनेट पर दिखने वाली चकाचौंध के पीछे का एकाकीपन और संघर्ष अक्सर ओझल रहता है। विदेश में शून्य से शुरूआत करने, विषम परिस्थितियों में कार्य करने और अपनी जड़ों से कटने का दर्द उन फिल्टर वाली तस्वीरों में दिखाई नहीं देता। वास्तविकता यह है कि सफलता किसी भौगोलिक स्थान की मोहताज नहीं होती। दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर अपनी पहचान बनाने वाले अनगिनत भारतीय इसी मिट्टी की उपज हैं। समस्या विदेश जाने में नहीं, बल्कि उस 'भेड़चाल' में है जिसमें बिना सोचे-समझे केवल दिखावे के लिए निर्णय लिए जाते हैं। भारत का युवा वर्ग आज पहले से कहीं अधिक सक्षम और तकनीक-संपन्न है। डिजिटल युग ने दूरियों को मिटा दिया है; अब भारत के किसी छोटे शहर में बैठकर भी वैश्विक स्तर का कार्य किया जा सकता है। स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं को नौकरी मांगने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनाया है। समय आ गया है कि समाज और अभिभावक अपनी सोच का पुनरीक्षण करें। हमें अपने बच्चों को 'स्थान' बदलने के बजाय 'स्वयं को सक्षम' बनाने की शिक्षा देनी चाहिए। यदि युवा योग्य और आत्मविश्वासी होगा, तो अवसर स्वयं चलकर उसके पास आएंगे चाहे वह भारत हो या विदेश। प्रतिभा का पलायन देश के विकास के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। यदि हमारे सबसे कुशल मस्तिष्क केवल दिखावे के लिए देश छोड़ देंगे, तो राष्ट्र निर्माण की गति प्रभावित होगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चा

डॉ. प्रियंका सौरभ

न्यायपालिका भारतीय लोकतंत्र का वह रक्षक स्तंभ है, जो न केवल संविधान की रक्षा करता है बल्कि नागरिकों को निष्पक्ष न्याय का आश्वासन भी देता है। हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा एनसीईआरटी की कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय चर्चा के केंद्र में है। इस पुस्तक के अध्याय 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' में न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार, लंबित मामलों की भारी संख्या और न्यायाधीशों की कमी जैसे मुद्दों का उल्लेख किया गया था। न्यायालय ने इसे संस्थान को बदनाम करने की एक 'गहरी और सोची-समझी साजिश' करार देते हुए शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी निदेशक से जवाब मांगा है। यह घटना शिक्षा नीति, संस्थागत गरिमा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच एक नई बहस को जन्म देती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, किंतु अनुच्छेद 19(2) के तहत इस पर 'न्यायालय की अवमानना' जैसे उचित प्रतिबंध भी लागू होते हैं। उच्चतम न्यायालय का तर्क है कि संबंधित अध्याय 'चयनात्मक' (सेलेक्टिव) था। इसमें न्यायपालिका की कमियों को तो प्रमुखता से दिखाया गया, किंतु विधायिका या कार्यपालिका के भ्रष्टाचार पर मौन साध लिया गया। न्यायालय के अनुसार, लंबित मामलों को 'विशाल बैकलॉग' कहना और पूर्व न्यायाधीशों के बयानों को बिना संदर्भ के प्रस्तुत करना भ्रामक है। न्यायालय ने आदेश दिया है कि सिलेबस बनाने वाले लेखकों की योग्यता और बैठकों की कार्यवाही प्रस्तुत की जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह शैक्षणिक चूक है या कोई सुनियोजित दुष्प्रचार। 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' के अनुसार, भ्रष्टाचार सूचकांक में भारत की चुनौतियां जगजाहिर हैं और स्वयं न्यायालयों ने कई मामलों में भ्रष्टाचार पर तीखी टिप्पणियां की हैं। जस्टिस जे.एस. वर्मा ने भी कहा था कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का एक मामला भी पूरी संस्था को दागदार बनाता है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या 13-14 वर्ष के बच्चों के पाठ्यक्रम में इसे इस रूप में पेश करना उचित है? स्कूली शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को तथ्यपरक ज्ञान देना होना चाहिए, न कि उनके मन में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करना। यदि अध्याय जवाबदेही, शक्तियों के पृथक्करण और सुधारों पर केंद्रित होता, तो यह छात्रों के लिए अधिक उपयोगी होता। वर्तमान नकारात्मक प्रस्तुतीकरण युवा पीढ़ी में न्यायपालिका के प्रति अनास्था का भाव जगा सकता है, जो भविष्य के लोकतंत्र के लिए घातक है। नई शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य पाठ्यक्रम को सरल और भारतीयता-केंद्रित बनाना है, लेकिन ऐसे विवाद नीति के क्रियान्वयन पर सवाल उठाते हैं। शिक्षा मंत्रालय को पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता लानी चाहिए। इसमें शिक्षाविदों के साथ-साथ न्यायिक विशेषज्ञों और अभिभावकों का परामर्श अनिवार्य होना चाहिए। न्यायालय द्वारा डिजिटल प्रतियों को जब्त करने का आदेश सूचनाओं के गलत प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक कदम है। यह मामला व्यापक न्यायिक और शैक्षणिक सुधारों की मांग करता है। न्यायपालिका में पारदर्शिता के लिए नियुक्तियों की प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़ बनाने और लंबित 5 करोड़ से अधिक मामलों को निपटाने हेतु 'ई-कोर्ट' जैसे प्रोजेक्ट्स को गति देने की आवश्यकता है। दूसरी ओर, शिक्षा प्रणाली को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह आलोचनात्मक सोच तो विकसित करे, लेकिन संस्थानों की गरिमा को गिराए बिना।

पूजा करना श्रावक का दैनिक कर्तव्य, अष्टान्हिका पर्व है शाश्वत: आर्यिका श्रुतमति माताजी

निवाई. शाबाश इंडिया

निवाई स्थित संत निवास नसियां जैन मंदिर में अष्टान्हिका महापर्व के उपलक्ष्य में आयोजित आठ दिवसीय नन्दीश्वर द्वीप समवशरण मण्डल विधान में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित यह अनुष्ठान आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोधमति माताजी संघ के पावन सानिध्य में संपन्न हो रहा है।

भक्ति और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हुआ मंदिर

अनुष्ठान के सातवें दिन शुक्रवार को दीप प्रज्वलन समाजसेवी दिनेश चंवरिया, लीला चंवरिया, सुरेश कुमार और महेंद्र चंवरिया सहित गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया। विधानाचार्य पंडित सुरेश शास्त्री एवं अशोक भाणजा के कुशल निर्देशन में श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ भगवान शांतिनाथ का अभिषेक और शांतिधारा की।

अर्पण किए अर्घ्य

यज्ञनायक महेंद्र कुमार चंवरिया के साथ सौधर्म इंद्र सोनू गिन्दोड़ी, धनपति कुबेर कन्हैयालाल जैन और अन्य इंद्रों ने भक्ति भाव से नन्दीश्वर द्वीप की 26 पूजाएं संपन्न कीं। पूजा के दौरान मण्डल पर अष्ट प्रातिहार्य स्थापित करने का सौभाग्य आठ विशेष पात्रों को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पारसमल चेनपुरा, पदमचंद जैन, अतुल ठोलिया सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अष्टान्हिका महापर्व की महिमा

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका श्रुतमति माताजी ने कहा कि अष्टान्हिका महापर्व वर्ष में तीन बार आता है और यह अनादि निधन शाश्वत पर्व है। शास्त्रों के अनुसार, इन आठ दिनों में देवगण नन्दीश्वर द्वीप जाकर वहां स्थित अकृत्रिम जिनालयों में भगवान की पूजा और उत्सव मनाते हैं।

उन्होंने श्रावकों को कर्तव्य बोध कराते हुए कहा...

जिनेन्द्र भगवान की पूजा-अर्चना करना श्रावक का दैनिक और अनिवार्य कर्तव्य है। जो जीव भक्ति भाव से प्रभु की आराधना करता है, वह सुख-समृद्धि के साथ आत्मिक शांति प्राप्त करता है। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि शनिवार को विधान की पूणार्हूति और महामंगल आरती का आयोजन किया जाएगा।

भक्ति और उल्लास के रंगों में डूबीं महिलाएं: निवाई में फूलों की होली के साथ मनाया गया फागोत्सव

निवाई. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल सेवा सदन में शुक्रवार को जैन समाज की महिलाओं द्वारा 'होली मिलन समारोह' एवं 'फागोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। भक्तिमय भजनों, चंग की थाप और फूलों की होली के बीच महिलाओं ने एक-दूसरे को रंग लगाकर भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शांतिनाथ जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। रितिका जैन और राशि जैन द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम संयोजक अनिता गोयल और प्रियंका पराणा ने बताया कि इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य अपनी परंपराओं को जीवंत रखना और नई पीढ़ी को संस्कृति से परिचित कराना है।

सामूहिक नृत्य और होली के खेल

प्रचार संयोजक संजू जौंला के अनुसार, उत्सव में मेना देवी पराणा, अनिता रामनगर, निक्की पराणा और शकुंतला छाबड़ा सहित समाज की दर्जनों महिलाओं ने पारंपरिक होली गीतों पर मनमोहक सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। फाग के गीतों पर थिरकती महिलाओं ने कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का संचार कर दिया।

फूलों की होली और सौहार्द

आयोजक प्रियंका पराणा ने बताया कि गुलाल के साथ-साथ विशेष रूप से फूलों की होली खेली गई, जो आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बीच विभिन्न रोचक खेल (गेम्स) भी आयोजित किए गए, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंत में सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर आगामी होली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन में वर्षा छाबड़ा, पिंकी कठमाणा, ज्योति छाबड़ा, सानू बोंली, अंतिमा झिराणा और राजुल भाणजा सहित समाज की कई महिला पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहीं।

मानवता की मिसाल

महासमिति ने थामा विकलांग विधवा की लाडो का हाथ, गृहस्थी के सामान के साथ किया विदा

अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति (अजमेर संभाग) एवं महिला व युवा महिला संभाग ने सामाजिक सरोकारों को निभाते हुए एक जरूरतमंद परिवार की खुशियों में रंग भर दिया है। समिति के तत्वावधान में एक विकलांग विधवा महिला, श्रीमती कांता की सुपुत्री इशू के आगामी विवाह हेतु संपूर्ण गृहस्थी की सामग्री भेंट कर सहयोग प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि ने की मुक्तकंठ से प्रशंसा

विवाह सहयोग कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) के प्रदेशाध्यक्ष हमीद मेवाती रहे। इस अवसर पर उन्होंने महासमिति के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। एक जरूरतमंद बेटी के हाथ पीले करने में इस प्रकार का सामूहिक सहयोग समाज के लिए प्रेरणास्पद है।

पूरी गृहस्थी का सामान किया भेंट

महासमिति के अध्यक्ष अतुल पाटनी एवं युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि समिति की संरक्षक और सदस्यों के विशेष सहयोग से गृहस्थ जीवन में उपयोग आने वाली लगभग सभी आवश्यक वस्तुएं प्रदान की गईं।

सहयोग सामग्री की सूची:

परिधान व श्रृंगारः 21 साड़ियां, 2 बेस, सलवार सूट सेट, चूड़ा, आर्टिफिशियल ज्वेलरी और सौंदर्य प्रसाधन सामग्री।
घरेलू उपकरणः मिक्सी, गैस चूल्हा, ओवन कुकर, इलेक्ट्रिक प्रेस और बाथरूम सेट।
फर्नीचर व अन्यः चौकी, स्टील के बर्तनों का संपूर्ण सैट, ब्लैंकेट, बेडशीट, स्वेटर, सेलो आइटम्स और सजावट का सामान।

इनका रहा विशेष सहयोग

इस पुनीत कार्य में समिति संरक्षक राकेश पालीवाल, मधु पाटनी, सुषमा आर.पी. अग्रवाल, अनुराधा ऐरन, रेनू पाटनी, ऊषा बडजात्या और वर्षा बडजात्या का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान कोषाध्यक्ष श्रेयांश पाटनी, मनीष पाटनी, मंत्री सुषमा पाटनी, अनीता पाटनी और महेश पाटनी सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

होली पर थूवोनजी में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

4 मार्च को होगा भव्य विमानोत्सव और महामस्तिकाभिषेक

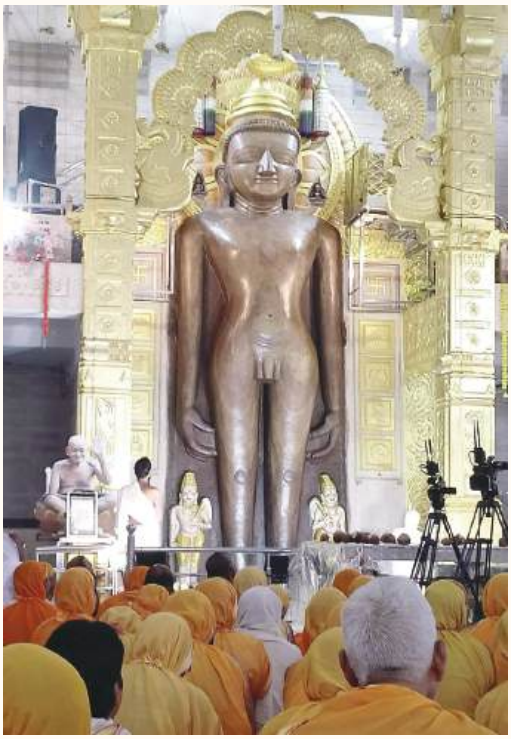

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। मध्य भारत के प्रतिष्ठित अतिशय क्षेत्र दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी का वार्षिक मेला महोत्सव इस वर्ष होली के पावन अवसर पर 4 मार्च को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद और बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भैया, सविता दीदी एवं माया दीदी के सानिध्य में आयोजित होने वाले इस महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु हाल ही में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

महामस्तिकाभिषेक और भक्तामर महामण्डल विधान

प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि 4 मार्च को थूवोनजी के 'खड़े बाबा' भगवान आदिनाथ स्वामी का वार्षिक महामस्तिकाभिषेक किया जाएगा। इसके उपरांत रजत मंडप में 'श्री भक्तामर महामण्डल विधान' का आयोजन होगा। धार्मिक अनुष्ठानों की इस श्रृंखला में समूचे अंचल से हजारों श्रद्धालुओं के पहुँचने की संभावना है।

भव्य विमान महोत्सव और शोभायात्रा

दोपहर में भगवान जिनेन्द्र देव का विमानोत्सव मंदिर नंबर 25 से विधि-विधान के साथ प्रारंभ होगा। यह भव्य शोभायात्रा क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होती हुई मेला स्थल पर पहुँचेगी, जहाँ धर्मसभा का आयोजन होगा। यहाँ भगवान के कलशाभिषेक और फूलमाल की बोलियाँ संपन्न की जाएंगी।

जगत कल्याण हेतु शांतिधारा

महोत्सव की पूर्व तैयारी के रूप में आज भगवान आदिनाथ की शांतिधारा का सौभाग्य पुष्पचंद कपिल कुमार (चांदखेड़ी), संजीव कुमार मनोज कुमार (महावीर स्वीट्स), मुलायमचन्द बाँझल परिवार और प्रकाशचंद मुनीम जी परिवार को प्राप्त हुआ। इन परिवारों ने विश्व शांति और जगत कल्याण की कामना के साथ महा-शांतिधारा संपन्न की।

गुरु कृपा से हो रही क्षेत्र की प्रगति

अशोक जैन 'टींगू मिल' (कमेटी अध्यक्ष) की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान रथयात्रा को और अधिक आकर्षक बनाने पर विचार किया गया।
राकेश अमरोद (महामंत्री, अशोकनगर समाज): 'थूवोनजी का विमानोत्सव पूरे क्षेत्र की आस्था का केंद्र है, हम इसे भव्यतम रूप देने के लिए संकल्पित हैं।'
विपिन सिंघई व मनोज भैसरवास (महामंत्री): ''क्षेत्र में जो भी प्रगति दिख रही है, वह मुनि श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद और समाज के सहयोग का ही परिणाम है।'' बैठक में उपस्थित अन्य सदस्यों ने भी अपने सुझाव दिए और आयोजन को सुव्यवस्थित करने का संकल्प लिया।

शास्त्रों का संरक्षण ही राष्ट्र की आत्मा की रक्षा:

जयपुर में 15 लाख ग्रंथों के संरक्षण का ऐतिहासिक संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी के सीकर रोड स्थित भवानी शिक्षा निकेतन परिसर में शुक्रवार को अखिल भारतीय मठ-पीठाधीश्वर समागम एवं शास्त्र संरक्षण समारोह का भव्य आयोजन हुआ। अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु श्री रामानन्दाचार्य महाप्रभु के 825वें प्राकट्य महोत्सव एवं 108 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ के पावन अवसर पर आयोजित इस महाकुंभ में संतों और विद्वानों ने भारत की ज्ञान-परंपरा को जीवित रखने हेतु 15 लाख प्राचीन ग्रंथों (पांडुलिपियों) के संरक्षण का संकल्प लिया।

संस्कृति मंत्रालय और पीठाधीश्वरों के बीच ऐतिहासिक अनुबंध

ज्ञान भारतम् मिशन (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) एवं मंदिर श्रीरघुनाथजी ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में देशभर के 215 पांडुलिपि धारकों तथा 4 प्रमुख संस्थाओं के 60 केंद्रों के साथ आधिकारिक अनुबंध किए गए। यह पहल दुर्लभ पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण, शोध और वैश्विक प्रसार की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

शास्त्र: भारतीय संस्कृति का मूलाधार

मुख्य अतिथि जगद्गुरु स्वामी श्री राजेन्द्रदास देवाचार्य जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा: ''भारतीय संस्कृति का मूलाधार हमारे शास्त्र हैं। शास्त्रों का संरक्षण ही वास्तव में राष्ट्र की आत्मा की रक्षा है। रैवासा धाम के माध्यम से सम्पूर्ण संत साहित्य के संरक्षण का कार्य भारत सरकार के सहयोग से पूर्ण किया जाएगा।'' अध्यक्षता कर रहे जगद्गुरु स्वामी रामकृष्णाचार्य जी ने इस अभियान को सनातन परंपरा के पुनर्जागरण का महाअभियान बताया। संतों ने जोर दिया कि मठों और मंदिरों में दबे प्राचीन ज्ञान को आधुनिक तकनीक से जोड़ना समय की मांग है।

साधना, शास्त्र और संस्कृति का त्रिवेणी संगम

108 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ के आध्यात्मिक वातावरण के बीच आयोजित इस समारोह में कई महत्वपूर्ण ग्रंथों का विमोचन भी किया गया, जिनमें 'श्रीराम परत्वम' और 'श्री दादुदर्शन: भारतीय लिपि के इतिहास' प्रमुख हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक के शंकराचार्य, महामण्डलेश्वर और महंतों की उपस्थिति ने इस समागम को लघु भारत का स्वरूप प्रदान किया।

प्रमुख उपस्थिति और प्रबंधन

आयोजन को सफल बनाने में ज्ञान भारतम् के निदेशक इन्द्रजीत सिंह, परियोजना निदेशक प्रो. अनिर्वाण दास, डॉ. रजनीष हर्ष और डॉ. नरेन्द्र हर्ष की सक्रिय भूमिका रही। मंच पर महामण्डलेश्वर डॉ. गणेशदास जी, महंत हरिशंकर दास जी वेदान्ती और स्वामी अवतार पुरी जी सहित अनेक विभूतियां विराजमान रहीं। स्थानीय व्यवस्थापक कपिल अग्रवाल और डॉ. सुरेन्द्र शर्मा ने अतिथियों का सम्मान किया। यह समागम न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बना, बल्कि भारतीय ज्ञान-परंपरा के पुनरुद्धार और पुनर्स्थापन की दिशा में एक ऐतिहासिक अध्याय के रूप में अंकित हो गया है।

कवि नवीन जैन 'नव' की कविताओं का गूंजेगा स्वर

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान के उभरते हुए कवि नवीन जैन 'नव' (बीगोद) की काव्य प्रतिभा अब राष्ट्रीय पटल पर अपनी चमक बिखेरने को तैयार है। हाल ही में जयपुर के ज्वेल्स रिसॉर्ट में आयोजित 'इंडियाज ग्रेटेस्ट टैलेंट शो' सीजन-6 के ग्रैंड फिनाले में नवीन जैन ने काव्य प्रतियोगिता में द्वितीय उपविजेता (सेकंड रनरअप) का खिताब जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस विशेष टैलेंट शो का प्रसारण शनिवार को प्रमुख मनोरंजन चैनल एंड टीवी पर किया जाएगा। अग्रवाल प्रोडक्शन हाउस के संस्थापक और शो के आयोजक आकाश मित्तल ने बताया कि आईजीटीएस सीजन-6 में गायन, नृत्य, कविता और रैपिंग जैसी विभिन्न श्रेणियों में देशभर के हजारों प्रतिभाशाली युवाओं ने हिस्सा लिया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद चुनिंदा फाइनलिस्ट में शामिल होकर नवीन जैन ने अपनी कविताओं के माध्यम से जजों और दर्शकों का दिल जीत लिया।

दिग्गज जजों ने की सराहना

शो की डायरेक्टर काजल मित्तल और सह-संस्थापक बिंदिया मित्तल के अनुसार, प्रतियोगिता का स्तर अत्यंत उच्च था। शो के निर्णायक मंडल में शामिल विश्व प्रसिद्ध गायक महेश मॉयल, नर्तक राज शर्मा, अंतरराष्ट्रीय फैशन डिजाइनर करन विग और कैथ जैक्सन ने नवीन की काव्य प्रस्तुति और उनके शब्दों के चयन की सराहना की।

शुभचिंतकों में हर्ष की लहर

नवीन जैन 'नव' की इस राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि पर उनके गृहक्षेत्र बीगोद सहित प्रदेशभर के साहित्यकारों और शुभचिंतकों द्वारा बधाई देने का सिलसिला जारी है। प्रशंसकों को अब शनिवार को एंड टीवी पर उनके प्रसारण का बेसब्री से इंतजार है।

महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश: भीलवाड़ा में राष्ट्रीय कार रैली के पोस्टर का विमोचन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के उपलक्ष्य में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) भीलवाड़ा लेडीज विंग द्वारा एक भव्य 'राष्ट्रीय कार रैली' का आयोजन किया जा रहा है। इस गौरवशाली आयोजन के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को कुमुद विहार-1 में प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इन उद्देश्यों के लिए दौड़ेगी कार रैली

यह रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के प्रति नैतिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। इसके प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

थैलेसीमिया उन्मूलन: आनुवंशिक रक्त रोगों के प्रति जागरूकता और विवाह पूर्व जांच हेतु प्रेरित करना।

कैंसर जागरूकता: तंबाकू निषेध, संतुलित जीवनशैली और समय पर स्वास्थ्य परीक्षण का संदेश देना।

महिला सशक्तिकरण: समाज में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और स्वास्थ्य चेतना को बढ़ावा देना।

गणमान्य अतिथियों द्वारा विमोचन

पोस्टर विमोचन के अवसर पर जीतो अपेक्स डायरेक्टर महावीर

सिंह चौधरी, जीतो जॉब्स डायरेक्टर निश्चल जैन, चेयरपर्सन मीठालाल सिंघवी, यूथ विंग मुख्य सचिव सिद्धार्थ कावडिया और लेडीज विंग चेयरपर्सन नीता बाबेल उपस्थित रहे।

रैली का कार्यक्रम और संगोष्ठी

जीतो सचिव मनीष शाह एवं महिला सचिव अर्चना पाटोदी ने बताया कि 8 मार्च को प्रातः 6:30 बजे कुमुद विहार-1 स्थित वैदिक गार्डन से रैली का शुभारंभ होगा। रैली से पूर्व स्वास्थ्य संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें:

डॉ. विनीता लोढ़ा: कैंसर जागरूकता एवं बचाव पर मार्गदर्शन देंगी।

गौतम दुग्गड़: थैलेसीमिया की रोकथाम और परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डालेंगे।

सक्रिय तैयारियां और टीम वर्क

आयोजन की सफलता हेतु प्रतीक कावडिया, यश सिंघवी, संतोष देवी सिंघवी सहित पूरी समिति सक्रिय रूप से जुटी हुई है। मंजू पोखरना, जयवंती अजमेरा, अनीता बाबेल और उषा काला सहित अनेक सदस्य विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं। जीतो लेडीज विंग ने भीलवाड़ा वासियों से इस जागरूकता अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

संगीत के राष्ट्रीय मंच पर भीलवाड़ा के औनिक जैन ने लहराया परचम: 'सुर-तरंग' में बने उपविजेता

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। देश की राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित कमानी प्रेक्षागृह में आयोजित राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता 'सुर-तरंग' में भीलवाड़ा के 11 वर्षीय बाल गायक मास्टर औनिक जैन ने गौरवशाली सफलता प्राप्त की है। वकील कॉलोनी निवासी पंकज और प्रिया जैन के सुपुत्र औनिक ने इस कठिन स्पर्धा में प्रथम उपविजेता का स्थान प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

कठिन संघर्ष और सफलता का मार्ग

संगम कला समूह द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का मार्ग अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। औनिक ने जिला स्तर से अपनी यात्रा प्रारंभ की और राज्य, अंतर-राज्यीय दौर तथा सेमीफाइनल की कठिन बाधाओं को पार करते हुए अंतिम दौर (ग्रैंड फिनाले) में स्थान बनाया। देशभर के सैकड़ों प्रतिभाशाली गायकों में से केवल तीन ही प्रतिभागी अंतिम चरण तक पहुँच सके, जहाँ औनिक ने अपनी सुरीली गायकी से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

दिग्गज विभूतियों की उपस्थिति

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में देश के सुप्रसिद्ध गायक पद्मश्री हरिहरन सहित संगीत जगत की कई महान हस्तियां उपस्थित रहीं। औनिक वर्तमान में नोएडा स्थित विख्यात संगीत अकादमी में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इससे पूर्व भी वे कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी जीत दर्ज करा चुके हैं।

सफलता का श्रेय

औनिक ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के आशीर्वाद और अपने संगीत गुरुओं को दिया है। उन्होंने विशेष रूप से भीलवाड़ा के संगीत गुरु श्री विद्या शंकर जी किन्नरिया और नोएडा अकादमी के शिक्षकों के मार्गदर्शन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उनकी इस सफलता पर भीलवाड़ा के संगीत प्रेमियों और शुभचिंतकों में हर्ष की लहर है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

भक्ति, एकता और अनुशासन का संगम: सावरदा में महासमिति का छठा मासिक पूजन विधान संपन्न

जयपुर/सावरदा. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं महिलांचल के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार, 23 फरवरी को ग्राम सावरदा स्थित दिगंबर जैन मंदिर में छठा मासिक अभिषेक एवं भगवान धर्मनाथ पूजन विधान अत्यंत श्रद्धा और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संगठन की एकजुटता और आध्यात्मिक समर्पण का जीवंत उदाहरण सिद्ध हुआ।

तीर्थ वंदन के साथ यात्रा का शुभारंभ

आयोजन में सम्मिलित होने के लिए लगभग 70 महिला सदस्यों ने प्रातः 7:00 बजे जयपुर से प्रस्थान किया। मार्ग में श्रद्धालुओं ने नरेना जी एवं आकोदा जी अतिशय क्षेत्रों के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। बस यात्रा के दौरान भजनों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बनाए रखा।

संगीतमय विधान और मुख्य सहभागिता

सावरदा पहुँचकर भगवान धर्मनाथ का संगीतमय पूजन विधान आयोजित किया गया, जिसमें इंद्र-इंद्राणियों ने भक्ति रस में सराबोर होकर अर्घ्य समर्पित किए। कार्यक्रम की मुख्य मांगलिक क्रियाएं निम्नलिखित महानुभावों द्वारा संपन्न की गईं:

दीप प्रज्वलनः श्रीमती मिश्रा देवी छाबड़ा
शांतिधाराः श्री मुकेश जी पाटनी
मुख्य कलश स्थापनाः श्रीमती सुनीता गंगवाल
मण्डल अर्घ्यः श्रीमती अनीता जी जैन
मंगलाचरणः रिद्धिमा जैन

संगठन और नेतृत्व का सराहनीय प्रयास

इस सफल आयोजन के पीछे महासमिति के पदाधिकारियों का कुशल प्रबंधन रहा। राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र जी पांड्या के परामर्श और अंचल कार्याध्यक्ष राजेश जी बड़जात्या के मुख्य समन्वय में कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। महिलांचल राजस्थान की अध्यक्षा शकुंतला बिंदायका, मंत्री सुनीता जैन व सुनीता गंगवाल तथा कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन के नेतृत्व में आयोजक मंडल ने व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभाला।

गरिमामयी उपस्थिति

समारोह में श्री महावीर जी बिंदायका, श्री रमेश जी गंगवाल, श्री वीरेंद्र जी और श्री पवन जी कासलीवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। बस व्यवस्था और यात्रा प्रबंधन में उर्मिला जैन, शीला जी, मधु जी, बीना शाह और पुष्पा बिलाला का विशेष योगदान रहा। महासमिति का यह मासिक आयोजन समाज के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादायी रहा, जिसने सदस्यों के बीच सेवा भावना और धार्मिक जुड़ाव को और अधिक सुदृढ़ किया।

धावास जैन मंदिर में 8 मार्च को होगा भव्य वेदी शिलान्यास: समाजसेवियों ने किया बैनर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगर के अजमेर रोड स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धावास में आगामी रविवार, 8 मार्च को चैत्यालय प्रतिस्थापन एवं वेदी शिलान्यास समारोह का आयोजन बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जाएगा। इस मांगलिक अवसर के पोस्टर और बैनर का विमोचन शुक्रवार को प्रसिद्ध समाजसेवी व भामाशाहों द्वारा संपन्न हुआ।

प्रमुख हस्तियों ने किया बैनर विमोचन

मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बैद ने बताया कि कार्यक्रम के आधिकारिक बैनर का विमोचन 'जैन रत्न' अशोक चांदवाड़ एवं प्रसिद्ध समाजसेवी व समाचार जगत के प्रधान संपादक शैलेन्द्र गोधा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंदिर निर्माण संयोजक जयकुमार जैन (बड़जात्या), सह-मंत्री नरेन्द्र गोधा और अंकुर पाटोदी सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

आचार्य सुनील सागर महाराज का मंगल आशीर्वाद

मंदिर समिति के मंत्री मितेश ठोलिया ने जानकारी दी कि निमार्णाधीन चार मंजिला भव्य मंदिर परिसर में यह आयोजन आचार्य सुनील सागर महाराज के आशीर्वाद से संपन्न होगा। ब्रह्मचारी पूर्णिमा दीदी के सानिध्य एवं विधानाचार्य पंडित सनत कुमार जैन के निर्देशन में श्रीजी को विराजमान किया जाएगा और मुख्य वेदी की आधारशिला रखी जाएगी।

सौभाग्यशाली पुण्यार्जक परिवार

कार्यक्रम के संरक्षक प्रवीण-विकास बड़जात्या और सह-मंत्री मनोज जैन पचेवर ने बताया कि इस महोत्सव में विभिन्न धार्मिक क्रियाओं का सौभाग्य इन परिवारों को प्राप्त हुआ है:

मुख्य अतिथिः श्रीमती बुलबुल देवी गंगवाल।

सौधर्म इंद्रः सुगनचन्द, मनोज कुमार, मुकेश कुमार सेठी परिवार (कोछोर)।

वेदी शिलान्यासः हैमेन्द्र-सरिता, निखिल-

निशिल लुहाड़िया (करौली वाला परिवार)।

शांतिधाराः प्रदीप, अभिषेक, नमन गंगवाल परिवार।

वात्सल्य भोजनः विनय-हेमलता, मधुर जैन (सारसोप परिवार)।

भविष्य की योजनाएं: 2027 में पंचकल्याणक गुरु भक्त राजेश गंगवाल ने बताया कि जयपुर जैन समाज वर्ष 2027 में आचार्य सुनील सागर महाराज का 50वां अवतरण दिवस और चातुर्मास जयपुर में मनाने हेतु उत्साहित है। इसी श्रृंखला में वर्ष 2027 में ही धावास मंदिर का भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव

भी आचार्य श्री के पावन सानिध्य में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

वर्तमान में संयोजक आशीष छाबड़ा, सरिता लुहाड़िया और डिम्पल जैन के नेतृत्व में युवा और महिला मंडल (सन्मति सुनीलम्) तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं।

मुनि श्री विनम्र सागर जी को जैन बैंकर्स फोरम ने भेंट किया श्रीफल: समाज सेवा और स्मारक निर्माण हेतु लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर के सदस्यों ने आचार्य विद्यासागर जी महाराज की परंपरा के यशस्वी मुनि 108 श्री विनम्र सागर जी महाराज के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर फोरम के सदस्यों ने मुनिराज को श्रीफल भेंट किया और संगठन द्वारा की जा रही सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों की जानकारी साझा की।

मुनिराज ने की कार्यों की सराहना

मुनि श्री ने जैन बैंकर्स द्वारा समाज हित में किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया और उन्हें समयानुकूल व प्रेरणाप्रद बताते हुए संगठन की सराहना की। इसके पश्चात उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने मुनिराज के ओजस्वी प्रवचनों का लाभ उठाया, जिसमें उन्होंने निष्काम सेवा और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण पर बल दिया।

स्मारक निर्माण हेतु 5 लाख रुपए की घोषणा

इस पावन अवसर पर फोरम के पांच सदस्यों ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए डोंगरगढ़ में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की पावन स्मृति में निमार्णाधीन स्मारक हेतु 5 लाख रुपए की सहयोग राशि प्रदान करने की भावना व्यक्त की। सदस्यों का यह संकल्प आचार्य श्री के प्रति उनकी गहरी आस्था और कृतज्ञता का प्रतीक है।

"ऑल-न्यू जियोफाइनेंस" अनुप्रयोग लॉन्च, अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता बताएगी कहां लगाएं पैसा

मुंबई. शाबाश इंडिया। अनेक वित्तीय माध्यमों, जटिल विकल्पों और लंबी खोज प्रक्रिया से परेशान ग्राहकों के लिए जियो फाइनेंस प्लेटफॉर्म एंड सर्विस लिमिटेड ने नया ''जियोफाइनेंस'' अनुप्रयोग प्रस्तुत किया है। कंपनी का कहना है कि यह मंच केवल उत्पाद सूची दिखाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एक बुद्धिमान वित्तीय बाजार की तरह कार्य करेगा। यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत तंत्रिका तंत्र आधारित प्रणाली के माध्यम से उपयोगकताओं को उनकी आवश्यकता अनुसार व्यक्तिगत सुझाव प्रदान करेगा। यह मंच लगभग 15 बुद्धिमान सहायक तंत्रों और 70 के आसपास निर्णय तंत्रों की सहायता से उपयोगकर्ता की आय, आवश्यकता, पात्रता और वित्तीय स्थिति का विश्लेषण करेगा। यदि कोई व्यक्ति गृह ऋण, व्यक्तिगत ऋण, प्रतिभूति के विरुद्ध ऋण, बीमा सुरक्षा या निवेश आरंभ करना चाहता है, तो उसे उसी के अनुरूप विकल्प तुरंत दिखाई देंगे। गृह ऋण, व्यक्तिगत ऋण, प्रतिभूति ऋण, ऋण पत्र, बीमा, एकीकृत भुगतान सेवा, सावधि जमा, डिजिटल स्वर्ण तथा जियोब्लैकरॉक के सामूहिक निवेश कोष जैसे अनेक विकल्प एक ही मंच पर उपलब्ध रहेंगे। उपयोगकर्ता अपनी आवश्यकता संवाद पट्टी में लिखकर संबंधित सेवाएं प्राप्त कर सकेगा। प्रत्येक लेनदेन पर ''जियो अंक'' मिलेंगे, जिन्हें विभिन्न उपहारों के लिए भुनाया जा सकेगा। भविष्य में ''वित्तीय स्वास्थ्य अंक'' तथा ''व्यक्तिगत मुख्य वित्त सलाहकार'' जैसे प्रावधान जोड़े जाएंगे, जो खर्च, बचत और निवेश का विश्लेषण कर सुधार के सुझाव देंगे। लॉन्च अवसर पर हितेश सेठिया, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य वित्तीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है, ताकि प्रत्येक भारतीय अपने आर्थिक भविष्य पर आत्मविश्वास से नियंत्रण पा सके।

श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर

105 वर्ष प्राचीन दिगम्बर जैन समाज की स्वयंसेवी संस्था

विशाल होली स्नेह मिलन

फूलों की रंगारंग होली

चंग ढप की विशेष प्रस्तुति

भारतीय कला संस्थान, ब्रज (डीग) के कलाकारों द्वारा

रविवार, दिनांक 1 मार्च, 2026 • सांय 7.00 बजे

स्थान : भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

मुख्य अतिथि :

समाजसेवी श्री राकेश जी गोदिका
श्रीमती समता जी गोदिका
प्रकाशक : शाबास इंडिया समाचार पत्र

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता :

समाजसेवी श्री गजेन्द्र जी पाटनी
श्रीमती सीमा जी पाटनी
कीर्ति नगर

महेश काला
अध्यक्ष

आप सादर आमंत्रित है।

भानु कुमार छाबड़ा
मानद् मंत्री

प्रदीप गोधा
उपाध्यक्ष

सुरेश भौंच
संयुक्त मंत्री

राकेश छाबड़ा
कोषाध्यक्ष

शरद बाकलीवाल
स्टोर इंचार्ज

कार्यकारिणी सदस्य

अरुण कोड़ीवाल • नरेश कासलीवाल • अतुल बोहरा • योगेश टोडरका • महेश बाकलीवाल

सहवृत्त सदस्य

निर्मल पाटनी • मितेश ठोलिया • पंकज अजमेरा "दातारामगढ़" • सौरभ गोधा

विशेष आमंत्रित

ओमप्रकाश बड़जात्या • सौभागमल जैन • सिद्धार्थ बड़जात्या • कान्ति चन्द नृपत्या

नरेश कासलीवाल
संयोजक

सुरेश भौंच
सह संयोजक

योगेश टोडरका
सह संयोजक

विजय जैन पांड्या बने: प्रभारी-स्वास्थ्य सेवाएं

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। महावीर इंटरनेशनल अजयमेरू केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से वीर विजय जैन पांड्या को प्रभारी-स्वास्थ्य सेवाएं नियुक्त किया गया है। अजयमेरू केंद्र के चेयरमैन गजेंद्र पंचोली द्वारा की गई इस नियुक्ति के अनुसार अब वीर विजय जैन पांड्या केंद्र द्वारा आयोजित स्वास्थ्य संबंधी सेवा गतिविधियों के समन्वय, योजना एवं संचालन की जिम्मेदारी संभालेंगे। यह दायित्व उनके वर्तमान वाइस चेयरमैन पद के अतिरिक्त रहेगा। नियुक्ति के पश्चात संगठन में उत्साह का वातावरण देखा गया। महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 के उपनिदेशक (प्रचार-प्रसार) कमल गंगवाल, सचिव लोकेश जैन सोजतिया, राजकुमार गर्ग, अशोक जैन छाजेड़, रविन्द्र लोढ़ा, अनिल लोढ़ा, अमनदीप जैन, निक्की जैन, निकिता पंचोली सहित अनेक पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। वीर विजय जैन पांड्या ने संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सेवा भावना के साथ कार्य करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में केंद्र की गतिविधियों को नई दिशा एवं गति प्रदान करने का पूर्ण प्रयास करेंगे।

सेवा कार्य के साथ कैंप का हुआ आयोजन

अजमेर (रोहित जैन)

महावीर इन्टरनेशनल सुनंदा वीरा केन्द्र अजमेर एवं डाबर इण्डिया लि. के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय रामनगर अजमेर में PCOD, PCOS Thyroid आदि के लिए सफल कैंप का आयोजन किया गया। महावीर इंटरनेशनल रीजन–3 के उपनिदेशक (प्रचार-प्रसार) कमल गंगवाल ने बताया कि दीप प्रज्जवलन वीरा इन्दु जैन , वीरा अलका जैन द्वारा किया गया। कैंप में 350मरीजों का सफल इलाज डॉ. मनीषा जैन द्वारा किया गया एवं 10 दिन का निःशुल्क दवाई दी गई। आयुर्वेद विभाग के डॉ० शिवसिंह(AD) , डॉ हनुमान मीना (DD) का सम्मान वीरा बीना चौरडिया द्वारा किया गया। सुनंदा वीरा की तरफ से10 बेडशीट्स एवं 4 टेबल कवर भेंट किए गए।। कैंप में मिलन जैन (डिप्टी डायरेक्टर),वीरा मधुबोथरा(सचिव) वीर मुकेशजी ओसवाल एवं समस्त सुनंदा वीराएँ उपस्थित थीं। चेयरपर्सन कल्पना कांसवा द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

गंगेगौरी बलकेश्वर जैन मंदिर में जारी विधान चौथे दिन अर्पित हुए मंगल अर्घ्य

आगरा. शाबाश इंडिया

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर गंगेगौरी बलकेश्वर में अष्टानिका महा पर्व के अवसर पर आर्यिकाश्री विश्रेय श्री माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का चौथा दिन 27 फरवरी को श्रद्धा,भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। विधान के चौथे दिन प्रातःकाल भक्तों द्वारा विधि-विधान पूर्वक मंगलाचरण,अभिषेक,पूजन एवं शांतिधारा सहित विभिन्न मांगलिक धार्मिक क्रियाएं संपन्न की गईं। बाल ब्रह्मचारी सुनील भैया जी के निर्देशन में मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं ने श्रीजी के समक्ष मंडल पर गहन भक्ति भाव से मंगल अर्घ्य अर्पित किए और विधान की पावन प्रक्रिया पूर्ण की। इस दौरान संपूर्ण मंदिर परिसर भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा। सायंकालीन बेला में श्रीजी की भव्य मंगल आरती का आयोजन किया गया,जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया।कार्यक्रम में प्रवीण जैन, राजीव जैन,अरुण जैन,अंशुल जैन, पारस जैन,अनुज जैन,मुकेश जैन, सुमित जैन सहित बलकेश्वर जैन समाज के अनेक श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शालीमार एन्क्लेव जैन मंदिर में श्रद्धा-भक्ति के साथ संपन्न हुआ श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का पांचवां दिन

आगरा. शाबाश इंडिया। कमला नगर स्थित शालीमार एन्क्लेव के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अष्टानिका महापर्व के पावन अवसर पर श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ निरंतर संपन्न हो रहा है। मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज एवं मुनिश्री विश्व साम्य सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य तथा पुण्यशाली पारस जैन कंसल एवं मधु जैन कंसल परिवार के सौजन्य से आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिल रही है। विधान के पांचवें दिन शुक्रवार प्रातः भगवान आदिनाथ के पावन अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। बाल ब्रह्मचारी आशीष भैया जी के कुशल निर्देशन में विधान के पात्रों द्वारा अष्ट द्रव्यों से विधिपूर्वक पूजन किया गया तथा श्रीजी के समक्ष मंडल पर 512 अर्घ्य समर्पित किए गए। पूरे वातावरण में मंत्रोच्चार और भक्ति की मधुर ध्वनि गूंजती रही। सायंकाल संगीतमय वातावरण में श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ की भव्य मंगल आरती कर धर्म लाभ प्राप्त किया। दिनभर मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा और श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर पारस जैन कंसल, संभव जैन कंसल,राजकुमार 'गुड्डू' राजू गोधा, संजू गोधा,गौरव जैन,रूपचंद जैन,मुकेश जैन रपरिया, शैलेन्द्र जैन,विनीत जैन,अभिषेक जैन अजीत जैन,मधु जैन कंसल, अनामिका जैन,अनुभूति जैन,कीर्ति जैन,संगीता जैन,वैशाली जैन,शशि जैन,मिथलेश जैन सहित कमला नगर जैन समाज के अनेक श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।